।दिनांक- 31 जुलाई 2021 (शनिवार)
विषय- प्रेमचंद का पुनराख्यान
वक्ता- प्रो. जगदीश्वर चतुर्वेदी
प्रो. रामचंद्र

शनिवार, 31 जुलाई 2021 को जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज के हिंदी विभाग द्वारा प्रेमचंद जयंती पर 'प्रेमचंद का पुनराख्यान' विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।इस संगोष्ठी का संचालन करते हुए डॉ. रजनी अनुरागी ने कथाकार प्रेमचंद पर समग्रता से विचार करने की आवश्यकता पर बल दिया। प्राचार्या प्रो. स्वाति पाल ने अतिथि वक्ताओं, प्रो. जगदीश्वर चतुर्वेदी एवं प्रो. रामचंद्र का स्वागत किया। श्रीमती मीनाक्षी ने दोनों माननीय वक्ताओं का परिचय सभा से कराया।

प्राचार्या प्रो. स्वाति पाल ने स्वयं प्रेमचंद की कई कहानियों का अंग्रेज़ी में अनुवाद किया हुआ है।

हमारे पहले वक्ता प्रो. जगदीश्वर चतुर्वेदी ने व्याख्यान का आरंभ करते हुए बताया कि प्रेमचंद एक उपन्यासकार होने के साथ एक बहुत बड़े आलोचक भी रहे हैं। 1936 में प्रगतिशील लेखक संघ के अध्यक्षीय भाषण में प्रेमचंद ने कहा था "हमने जिस युग को अभी पार किया है उसका जीवन से कोई मतलब ना था।" प्रेमचंद पूंजीवाद के सबसे बड़े आलोचक रहे हैं। प्रेमचंद का मानना था कि 'साहित्य का उद्देश्य जीवन की आलोचना है'। प्रो. जगदीश्वर ने आगे बताया कि अगर लेखक के पास ऊंचे आदर्श नहीं तो वह साहित्य को ऊंचा नहीं ले जा सकता। सिर्फ यथार्थ का चित्रण महत्वपूर्ण नहीं, आलोचना भी महत्वपूर्ण है और आलोचना कैसे की जाती है यह हमें प्रेमचंद जी से सीखना चाहिए।

प्रो. रामचंद्र ने अपने व्याख्यान की शुरुआत करते हुए बताया प्रेमचंद जी के लिए धर्म ही न्याय था। प्रेमचंद को दलित संदर्भ में गलत प्रस्तुत करने की कोशिश की गई। प्रेमचंद को चुनौती के रूप में दलित लेखकों के सामने खड़ा कर दिया गया ताकि दोनों में फूट डाली जा सके। प्रेमचंद बहस का केंद्र बन गए। दलित आलोचकों ने प्रेमचंद को पुनः जीवित किया है। प्रो. रामचंद्र ने गहरी बात के साथ अपना व्याख्यान समाप्त किया। उन्होंने कहा कि 'लेखकों में सच कहने का साहस नहीं है क्योंकि वह विचारों का जोखिम नहीं उठा सकते।'

व्याख्यान के बाद प्रो.जगदीश्वर और प्रो. रामचंद्र ने छात्राओं के प्रश्नों का उत्तर दिया।

प्राचार्या प्रो. स्वाति पाल ने वक्ताओं को सुनकर उनकी बात से सहमति जताते हुए कहा कि प्रेमचन्द को सिर्फ पढ़ना काफी नहीं है उनके विचारों को जीवन में उतारना भी आवश्यक है। इस व्याख्यान को सुनने के लिए दिल्ली विश्वविद्याल और दिल्ली विश्वविद्यालय के बाहर से भी शिक्षक , शोधार्थी और छात्र-छात्राएं जुड़े।

इस संगोष्ठी के अंत में विभाग प्रभारी औरजीन मैरी ने सबका धन्यवाद ज्ञापन किया। इस सफल व्याख्यान की संचालक औरजीना मैरी, डॉ. रजनी अनुरागी और मीनाक्षी रहें।

हिन्दी विभाग
जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज
दिल्ली विश्वविद्यालय
द्वारा आयोजित वेबिनार
विषय- प्रेमचंद का पुनराख्यान
वक्ता- प्रो. जगदीश्वर चतुर्वेदी
प्रो. रामचंद्र
दिनांक- 31 जुलाई 2021
समय- 3:00 बजे प्लेटफार्म- जूम ऐप
लिंक-
संयोजक-
औरजीना मैरी (विभाग प्रभारी)
डॉ. रजनी अनुरागी
मीनाक्षी
प्रो. स्वाति पाल
प्राचार्या

Sudha Upadhyaya
Swati Pal
Meenakshi
Divya Yadav

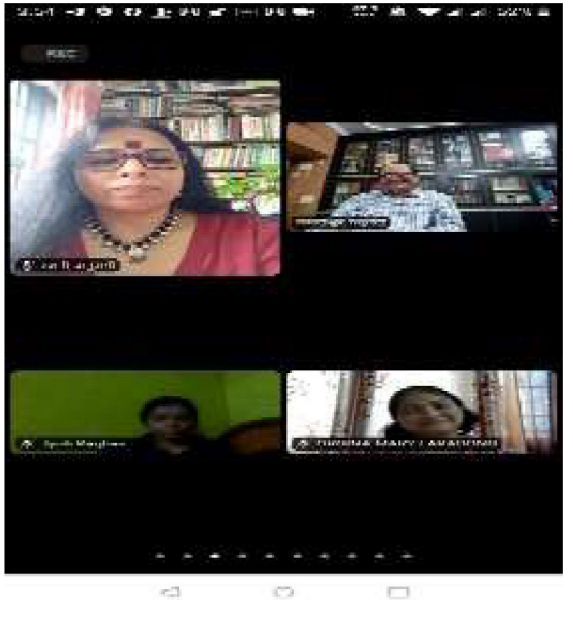

5:09
Shalu Yadav
Anita Jain
Shruti Shrivastav
Harshika

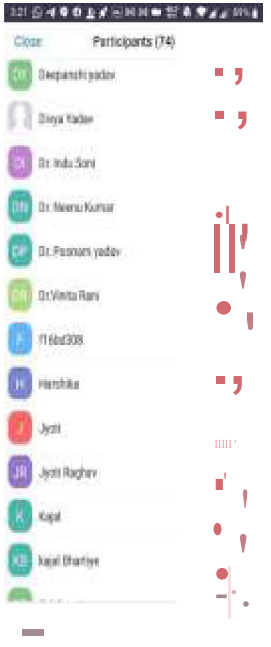
Close
Participants (74)
Deepanshi yadav
Divya Yadav
Dr. Indu Soni
Dr. Neeru Kumar
Dr.Poonam yadav
Dr.Vinita Rani
IT 6bd308
Harshika
Jyoti
Jyoti Raghav
Kajal
Kajal Dhariye

2) करियर काउंसलिंग और रचनात्मक लेखन से संबंधित तीन दिवसीय ई- कार्यशाला 26th -28th अगस्त 2021

दिनांक- 26 अगस्त 2021, (गुरुवार)
विषय- कहानी लेखन
वक्ता- प्रो. प्रज्ञा (कथाकार)

गुरुवार, 26 अगस्त 2021 को जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज के हिंदी विभाग द्वारा तीन दिवसीय ई- कार्यशाला के पहले दिन 'कहानी लेखन ' पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में कॉलेज की प्राचार्या प्रो. स्वाति पाल ने भी अपने विचार साझा किए। उन्होंने किसी भी विषय पर लिखने से पहले उसे हृदय की आँखों से देखने की बात कही।
अतिथि वक्ता प्रोफेसर प्रज्ञा ने कार्यशाला को आरंभ करते हुए बताया कि किसी भी विषय को लिखने के लिए हमें यदि कुछ चाहिए तो वो है "लिखने के प्रति हमारी आस्था"। उन्होंने बताया कि अपने आसपास के वातावरण से ही कहानी की विषयवस्तु,पात्र आदि को सामग्री के रूप में प्रयोग करना चाहिए।
जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज की छात्राओं के साथ दिल्ली विश्वविद्यालय के शोधार्थी, शिक्षकों एवं छात्रों ने भी कार्यशाला में भाग लिया।इस सफल कार्यशाला के अंत में हिंदी विभाग प्रभारी औरजीना मैरी ने सबका धन्यवाद ज्ञापन किया। इस सफल कार्यशाला की संचालक औरजीना मैरी, डॉ. रजनी अनुरागी और श्रीमती मीनाक्षी रहीं।

दिनांक- 27 अगस्त 2021 (शुक्रवार)
विषय- कविता लेखन
वक्ता- वरिष्ठ कवि मदन कश्यप

शुक्रवार, 27 अगस्त 2021 को जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज के हिंदी विभाग द्वारा आयोजित तीन दिवसीय ई-कार्यशाला के दूसरे दिन कविता लेखन का आयोजन किया गया।
वरिष्ठ कवि मदन कश्यप ने कविता की विषयवस्तु पर बात रखते हुए बताया कि कविता मनोभावों से समाज की ओर एक यात्रा है। कविता मनुष्य को संवेदनशील बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कविता लिखने के लिए हमें भाषा का संस्कार होना चाहिए। मनोभावों के अनुरूप भाषा बनाने के लिए गहरे अध्ययन की आवश्यकता होती है। साथ ही, एक अच्छा कवि होने के लिए आत्मालोचना का होना भी जरूरी है।

इस ई-कार्यशाला में कवि मदन कश्यप ने प्रतिभागियों के सवालों का विस्तार से जवाब दिया। मदन कश्यप सर ने अपनी कविता 'एक दिन स्त्रियां' का पाठ किया और अपने गहन एवं अर्थपूर्ण वक्तव्य का समापन किया।
कार्यशाला सफल एवं बेहद रोचक रही। जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज के छात्राओं के साथ दिल्ली विश्वविद्यालय के शोधार्थी, शिक्षकों एवं छात्राओं ने भी कार्यशाला में भाग लिया।
हिंदी विभाग प्रभारी औरजीना मैरी ने उपस्थित सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापन किया। ई-कार्यशाला की संयोजक औरजीना मैरी, डॉ. रजनी अनुरागी और मीनाक्षी रहीं। ई-कार्यशाला का संचालन मीनाक्षी ने किया।

दिनांक- 28 अगस्त 2021 (शुक्रवार)
विषय- पत्रकारिता
वक्ता- वरिष्ठ पत्रकार प्रियदर्शन

शनिवार, 28 अगस्त 2021 को जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज के हिंदी विभाग द्वारा आयोजित तीन दिवसीय ई-कार्यशाला के तीसरे दिन, पत्रकारिता पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें एनडीटीवी इंडिया के संपादक और वरिष्ठ पत्रकार प्रियदर्शन वक्ता के रूप में उपस्थित हुए। डॉ. रजनी अनुरागी ने वक्ता प्रियदर्शन जी का स्वागत करते हुए प्राचार्या प्रो. स्वाति पाल मैम का विशेष आभार प्रकट किया और कार्यशाला के उद्देश्यों को स्पष्ट किया। तृतीय वर्ष की छात्रा श्रुति ने वक्ता का परिचय सभा से कराया।

वरिष्ठ पत्रकार प्रियदर्शन ने पत्रकारिता के विविध पहलुओं पर विस्तार से अपना मंतव्य संप्रेषित किया। प्रियदर्शन जी ने पत्रकारिता पर बात रखते हुए अनुभवों को वरीयता दी। भाषा के बारे में बताते हुए कहा कि भाषा में सरोकार का होना बेहद महत्वपूर्ण होता है। जो खबर हम लिख रहे हैं उससे जुड़ाव महसूस करना चाहिए। खबर लिखते समय हमें भाषा के पूर्वाग्रहों से बचना चाहिए। साथ ही प्रियदर्शन जी ने बताया कि ख़बर को दर्शकों से जोड़ने के लिए हम दृश्यों और ध्वनियों का सहारा ले सकते हैं। साथ ही सर ने हमें पत्रकारिता के 'पी-टू-जी' और 'पीपीएफ' फॉर्मेट के बारे में भी बताया। उन्होंने बताया कि किस तरह छात्राएं पत्रकारिता में अपना भविष्य उज्ज्वल बना सकती हैं। प्रियदर्शन जी ने छात्राओं के प्रश्नों और शंकाओं का भी निदान किया। विभाग की वरिष्ठतम सदस्य प्रो संध्या गर्ग ने भी कार्यशाला में अपने विचार रखते हुए कार्यशाला को सफल बताया।

इस संगोष्ठी के अंत में विभाग प्रभारी औरजीना मैरी ने प्राचार्या स्वाति पाल, तीनों दिनों के वक्ताओं कथाकार प्रो.प्रज्ञा, वरिष्ठ कवि मदन कश्यप, वरिष्ठ पत्रकार प्रियदर्शन, विभाग के सभी सदस्यों, प्रतिभागियों, संयोजक डॉ. रजनी अनुरागी एवं श्रीमती मीनाक्षी के सहयोग के लिए विशेष रूप से धन्यवाद ज्ञापन किया।

जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज की छात्राओं के साथ दिल्ली विश्वविद्यालय के शोधार्थी, शिक्षकों एवं छात्राओं ने भी कार्यशाला में सक्रिय भाग लिया। 28 अगस्त 2021 को हिंदी विभाग द्वारा आयोजित तीन दिवसीय ई-कार्यशाला का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

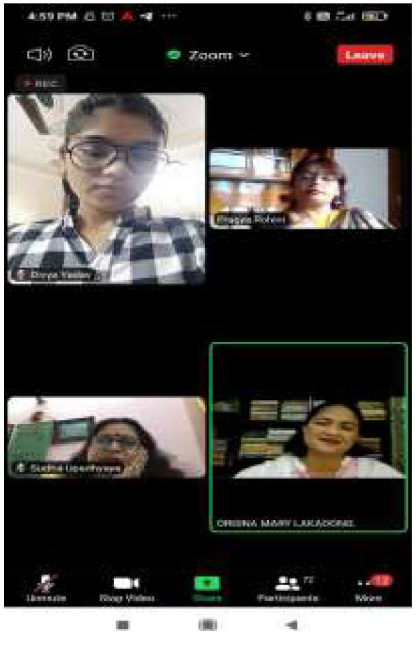
Zoom
Leave

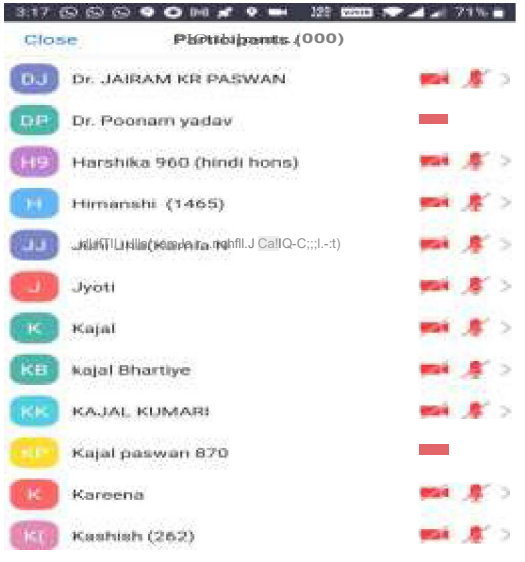
Close
Participants (000)
DJ Dr. JAIRAM KR PASWAN
DP Dr. Poonam yadav
H9 Harshika 960 (hindi hons)
H Himanshi (1465)
J Jyoti
K Kajal
KB kajal Bhartiye
KK KAJAL KUMARI
Kajal paswan 870
K Kareena
Kashish (262)

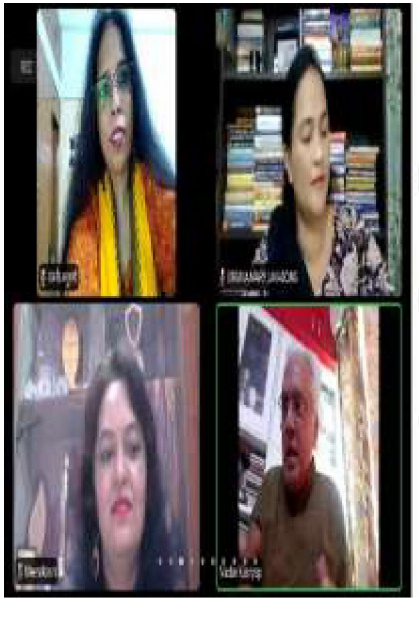

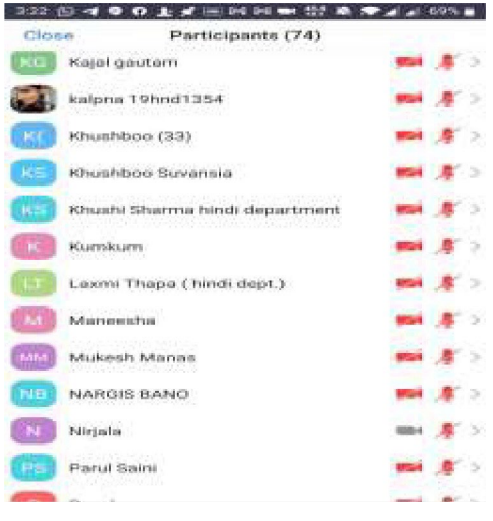
Close
Participants (74)
KG Kajal gautam
kalpna 19hnd1354
KK Khushboo (33)
KS Khushboo Suvansia
KS Khushi Sharma hindi department
K Kumkum
LT Laxmi Thapa (hindi dept.)
M Maneesha
MM Mukesh Manas
NB NARGIS BANO
N Nirjala
PS Parul Saini

4:06 PM
REC
Divya Yadav
Priyadarshan parag

Participants (74)
Ask to Unmute
More

3) समकालीन रचनाएँ एवं रचनाकार- दो दिवसीय (30-31अक्टूबर 2021) अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह

समकालीन रचनाएँ एवं रचनाकार विषय पर जानकी देवी मेमोरीयल कॉलेज और साहित्य संचय शोध संस्थान द्वारा आयोजित दो दिवसीय (30-31अक्टूबर 2021) अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह का सफलतापूर्वक समापन।
कार्यक्रम में उपस्थित मंच -प्रो उमापति जी दीक्षित (विभागाध्यक्ष - केंद्रीय हिंदी निदेशालय,आगरा), प्रो खेमसिंह डहेरिया जी (कुलपति - अटलबिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, भोपाल), प्रो.केवल कृष्ण रल्हान जी (डीन-खुशालदास विश्विद्यालय-हनुमानगढ़), आशीष कंधवे जी (सम्पादक-गगनांचल) प्रो.स्वाति पॉल जी (प्राचार्या-जानकीदेवी मेमोरियल कॉलेज) प्रो.संध्या गर्ग जी (उप प्राचार्या -जानकीदेवी मेमोरियल कॉलेज)), प्रो.नवीन चन्द्र लोहनी जी (चौ.चरणसिंह विश्विद्यालय,मेरठ), श्री तेजप्रताप नारायण जी (साहित्यकार), रघुवीर शर्मा जी(सहायक निदेशक-राजभाषा विभाग), डॉ सुष्मा रानी जी(सह आचार्य), डॉ दीपक पांडे जी (सहायक निदेशक), जे.पी पांडे (निदेशक-स्कूल शिक्षा विभाग), सुरेश चंद्र शरद आलोक जी (नार्वे), हास्य कवि विनीत पांडेय जी ,रजनी झा जी ,डॉ. रामनारायण जी शर्मा, डॉ. कल्पना मौर्य जी, सुमन रानी, संगीता जी, मीनाक्षी जी, डॉ. कविश्री जायसवाल जी, प्रीति गुप्ता जी उपस्थित शोधार्थीगण, सम्मानित विद्वतजन का आभार।
कार्यक्रम संचालन- संजय धौलपुरिया ने किया।
संगोष्ठी के सम्मानित मंच से वक्ताओं ने समकालीन रचनाएं एवं रचनाकार विषय एवं उपविषय पर अपने विचारों, नवाचारों से उपस्थित श्रोताओं के ज्ञान में वृद्धि की।आप सभी ने कार्यक्रम में अपनी गरिमामयी उपस्थिति देकर संगोष्ठी कार्यक्रम को भव्य स्वरूप देने के लिए सभी का हृदय आभार।
सम्मान समारोह और भी भव्यता को प्राप्त कर लिया जब प्रो.उमापति दीक्षित जी, प्रो.खेमसिंह डहेरिया जी , डॉ आशीष कंधवे और प्रो संध्या गर्ग जी मैम द्वारा प्रतिभागियों को सम्मानित किया।
साहित्य संचय शोध संवाद फाउंडेशन द्वारा आयोजित सम्मान में आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी सम्मान, कमल सुनृत वाजपेयी सम्मान, नवल सेतु सम्मान, साहित्य संचय शब्द श्री सम्मान , साहित्य संचय शोध सम्मान से वक्ताओं व प्रतिभागियों को सम्मानित करने पर साहित्य संचय शोध संवाद फाउंडेशन , दिल्ली , जानकीदेवी मेमोरियल कॉलेज सहित समस्त उपस्थित प्रतिभागियो ने स्वयं को गौरवान्वित महसूस किया।
कार्यक्रम की सफलता इस बात से भी पता चलती हैं कि उपस्थित प्रत्येक प्रतिभागी ने सम्मानित मंच से स्मृति चिह्न और प्रमाणपत्र

जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज
साहित्य संचय शोध संवाद फाउंडेशन (रजि.)
दो दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी
दिनांक 30-31 अक्तूबर 2021
समकालीन रचनाएँ एवं रचनाकार

4) 10-11 दिसंबर 2021 दो दिवसीय ICT कार्यशाला

जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज

हिंदी विभाग एवं IQAC के संयुक्त तत्वावधान में

दिनांक- 10 दिसंबर 2021

समय- पहला सत्र , 11 बजे से 1 बजे

विषय- दो दिवसीय ICT कार्यशाला/ Ms Word

जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज के हिंदी विभाग और IQAC विभाग ने मिलकर दो दिवसीय ICT कार्यशाला का आयोजन किया जिसका पहला सत्र शुक्रवार 10 दिसंबर को 11 बजे से 1 बजे तक हुआ। इस सत्र में वाणिज्य विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर नीलू वर्मा ने बड़े ही सरल तरीके से छात्राओं को Ms Word के बारे में पूर्ण जानकारी दी। इस कार्यशाला में उन्होंने Ms Word से संबंधित कई विषयों के बारे में में बताया जैसे- Create New Document, Paragraphs, Watermark, Tables, SmartArt, Hyperlinks आदि और साथ ही उन्हें उपयोग करने के बारे में भी सिखाया।जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज की छात्राओं और अध्यापिकाओं के साथ अन्य महाविद्यालयों से भी कई छात्र-छात्राएं हमारे साथ इस कार्यशाला में जुड़े और लाभान्वित हुए।

जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज

हिंदी विभाग एवं IQAC के संयुक्त तत्वावधान में

दिनांक- 10 दिसंबर 2021

समय- द्वितीय सत्र , 1:30 बजे से 3:30 बजे

विषय- दो दिवसीय ICT कार्यशाला/ Google workplace

जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज के हिंदी विभाग और IQAC विभाग ने मिलकर दो दिवसीय ICT कार्यशाला का आयोजन किया जिसका द्वितीय सत्र शुक्रवार 10 दिसंबर को 1:30 बजे से 3:30 बजे तक हुआ। इस सत्र में पीजीडीएवी कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर, डॉ. आदित्य प्रताप ने बड़े ही सरल ढंग से छात्राओं को गूगल के अलग-अलग अलग एप्लीकेशन के बारे में जानकारी दी। डॉ. आदित्य ने छात्र-छात्राओं को गूगल ड्राइव, गूगल डॉक्स, गूगल शीट्स, पीपीटी पोस्टर मेकिंग जैसे विषयों के बारे में जानकारी दी और उन्हें उपयोग करने के बारे में भी बताया।जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज की छात्राओं और अध्यापिकाओं के साथ अन्य महाविद्यालयों से भी कई छात्र-छात्राएं हमारे साथ इस कार्यशाला में जुड़े और लाभान्वित हुए।

जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज
हिंदी विभाग एवं IQAC के संयुक्त तत्वावधान में
दिनांक- 11 दिसंबर 2021
समय- प्रथम सत्र , 11 बजे से 1 बजे
विषय- दो दिवसीय ICT कार्यशाला/ MS Excel

जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज, हिंदी विभाग ने IQAC के तत्वावधान में दो दिवसीय ICT कार्यशाला का आयोजन किया जिसका प्रथम सत्र शनिवार, 11 दिसंबर को 11 बजे से 1 बजे तक हुआ। इस सत्र में जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज की एसोसिएट प्रोफेसर अमिता चरन ने प्रतिभागियों को Ms Excel के बारे में संपूर्ण जानकारी दी। इस कार्यशाला में उन्होंने Creating and Saving Excel File, Formatting, Developing Pie Chart, Applying Simple Maths, Page Layout आदि विषयों के बारे में और उनकी उपयोगिता के बारे में बताया। जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज की छात्राओं और अध्यापिकाओं के साथ अन्य महाविद्यालयों से भी कई छात्र-छात्राएं हमारे साथ इस कार्यशाला में जुड़े और लाभान्वित हुए।

जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज
हिंदी विभाग एवं IQAC के संयुक्त तत्वावधान में
दिनांक- 11 दिसंबर 2021
समय- द्वितीय सत्र , 1:30 बजे से 3:30 बजे
विषय- दो दिवसीय ICT कार्यशाला/ Ms PowerPoint, Google Forms, Ms Excel

जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज के हिंदी विभाग ने IQAC के तत्वावधान में दो दिवसीय ICT कार्यशाला का आयोजन किया जिसका द्वितीय सत्र शनिवार, 11 दिसंबर को 1:30 बजे से 3:30 बजे तक हुआ। कार्यशाला के इस सत्र में असिस्टेंट प्रोफेसर नीलू वर्मा ने प्रतिभागियों को Ms PowerPoint के बारे में और उसकी उपयोगिता के बारे में बताया। असिस्टेंट प्रोफेसर आदित्य प्रताप ने Google Form को Create, Save and Share करना सिखाया। अंत में एसोसिएट प्रोफेसर अमिता चरन ने Ms Word, Excel, Google Drive आदि के बारे में बारे में बताया और प्रतिभागियों को Blog Create करना भी सिखाया।

इस कार्यशाला में प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और लाभान्वित हुए। कार्यशाला के अंत में विभाग प्रभारी औरजीना मैरी ने अथितिगण का धन्यवाद ज्ञापन किया और इस सफल कार्यशाला की समाप्ति हुई।

जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज
हिंदी विभाग और आई.क्यू.ए.सी के संयुक्त
तत्वावधान में दो दिवसीय
आई.सी.टी. कार्यशाला का आयोजन
10 से 11 दिसंबर 2021
समय - प्रातः 11:00 से दोपहर 1:00
दोपहर 1:30 से 3:30
प्लेटफॉर्म - जूम
Meeting id : 89914436499
Passcode : 123456
चारों सत्रों में उपस्थित प्रतिभागियों को ही ई - सर्टिफिकेट दिया जायेगा।
संयोजक
आई.क्यू.ए.सी. कॉर्डिनेटर
प्राचार्या

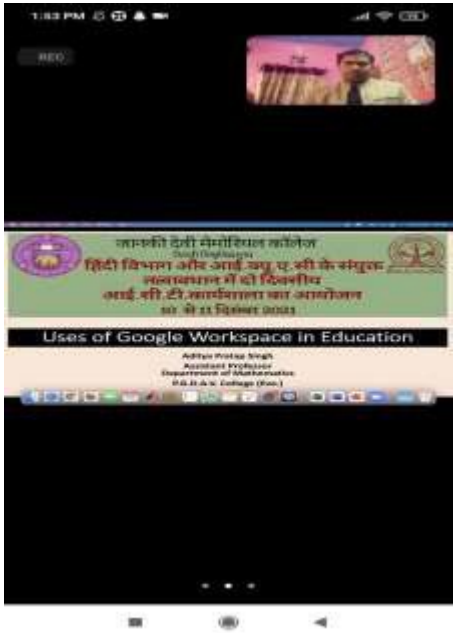
Uses of Google Workspace in Education

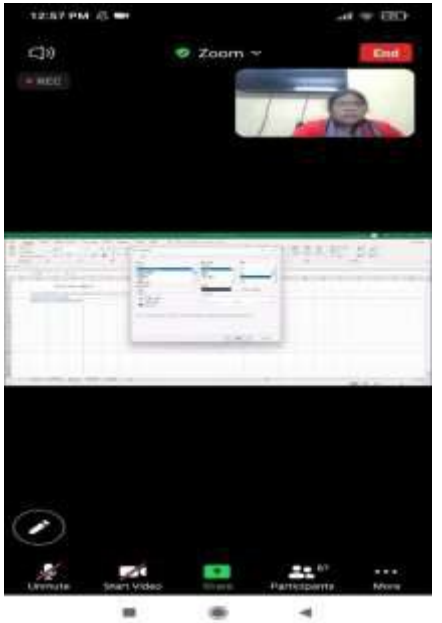

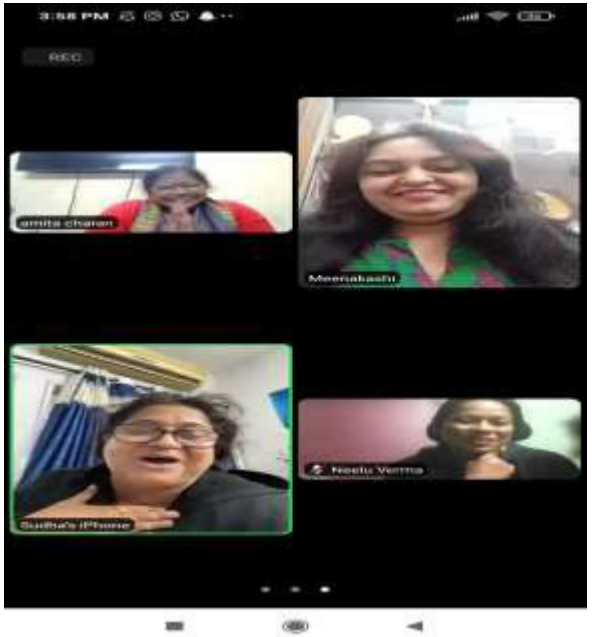

1:05 PM
REC
Neelu Verma
Orgina Mary Lakadong

12:55 PM
Neelu Verma
Orgina Mary Lakadong
Sudha Upadhyaya
Naina Vaid

12:56 PM
Naina Vaid

5) दिनांक:- 9 फरवरी 2022 को हिंदी विभाग द्वारा आयोजित व्याख्यान लेखक से मुलाकात सृजन के विभिन्न आयाम (शिक्षण में नवाचार)

दिनांक:- 9 फरवरी 2022
विषय:- लेखक से मुलाकात सृजन के विभिन्न आयाम (शिक्षण में नवाचार) व्याख्यान
वक्ता:- डॉ. जयप्रकाश कर्दम (लेखक)

इस कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. रजनी अनुरागी ने अतिथि डॉ. जयप्रकाश कर्दम और सभी प्रतिभागियों का अभिवादन से किया।
डॉ. जयप्रकाश कर्दम ने अपने व्याख्यान में बताया कि शिक्षक और विद्यार्थियों के बीच संवाद होते रहना चाहिए तथा अध्यापकों को विद्यार्थियों के साथ कनेक्ट रहने के लिए जागरूक किया।विद्यार्थियों को कैसे कंफर्ट जोन में लाया जाए इस पर अपनी सलाह दी और कहा कि इसी से हमारी शिक्षण पद्धति बदल सकती है। उन्होंने भाषा के बारे में बताया कि भाषा केवल संप्रेषण का साधन मात्र नहीं है बल्कि भाषा के माध्यम से हम किसी भी समाज की संस्कृति को जानते हैं और संस्कृति राष्ट्रीयता का निर्माण करती है। समाज के बारे में उन्होंने कहा कि भारतीय समाज, समाज नहीं बल्कि मानव समूह है क्योंकि हमारे समाज में छुआछूत, ऊंच- नीच का भेदभाव व्याप्त है इसलिए ये एक समाज नहीं हो सकता। उन्होंने दलितों के प्रति होने वाले अत्याचार, दुर्व्यवहार, भेदभाव, समाज में होने वाली अनेक कुरीतियों के बारे में चिंता जताई और उन्होंने कहा कि दलितों के प्रति यह अत्याचार आज भी कायम है।
परिवार में बच्चों को छुआछूत और भेदभाव जैसी सीख देना बंद कर दिया जाए और अच्छी शिक्षण प्रणाली से भेदभाव और समाज में व्याप्त कुरीतियों को खत्म किया जा सकता है। इसी के साथ लेखक ने अपना वक्तव्य समाप्त किया।
विभाग प्रभारी औरजीना मैरी ने अतिथि को धन्यवाद दिया और मैम ने विद्यार्थियों को बताया कि हमें अपना दृष्टिकोण अपने आप बनाना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में डॉ. रजनी अनुरागी ने हिंदी की कुछ महत्वपूर्ण पुस्तकों बारे में बताया जिन्हें हर विद्यार्थी को पढ़ना चाहिए और इसी के साथ एक सफल कार्यक्रम की समाप्ति हुई।

Azadi Ka Amrit Mahotsav
जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज
दिल्ली विश्वविद्यालय
हिंदी विभाग
द्वारा आयोजित व्याख्यान
लेखक से मुलाकात: सृजन के विभिन्न आयाम
(शिक्षण में नवाचार)
दिनांक - 09/02/2022
समय - सुबह 10:00 बजे
प्लेटफॉर्म - ज़ूम
Meeting id : 810 2454 1064
Passcode : 123456
आमंत्रित लेखक
डॉ.जयप्रकाश कर्दम
डॉ. रजनी अनुरागी
संयोजक
औरजीना मैरी
विभाग प्रभारी
प्रो. स्वाति पाल
प्राचार्या

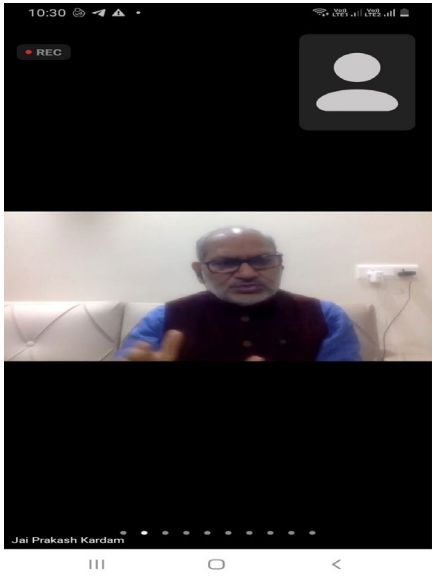
10:30
REC
Jai Prakash Kardam

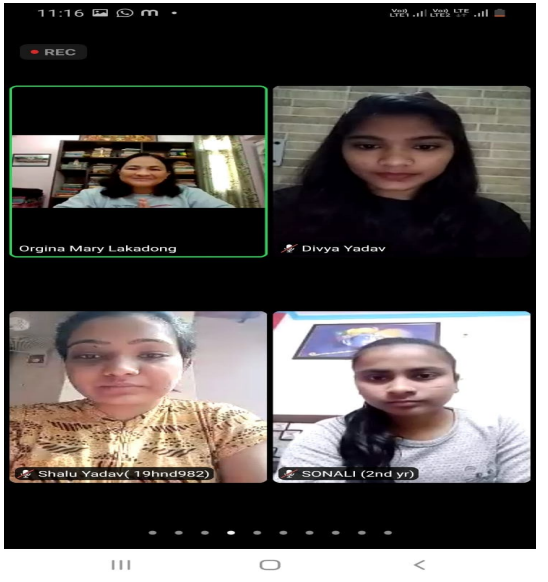
11:16
REC
Orgina Mary Lakadong
Divya Yadav
Shalu Yadav(19hnd982)
SONALI (2nd yr)

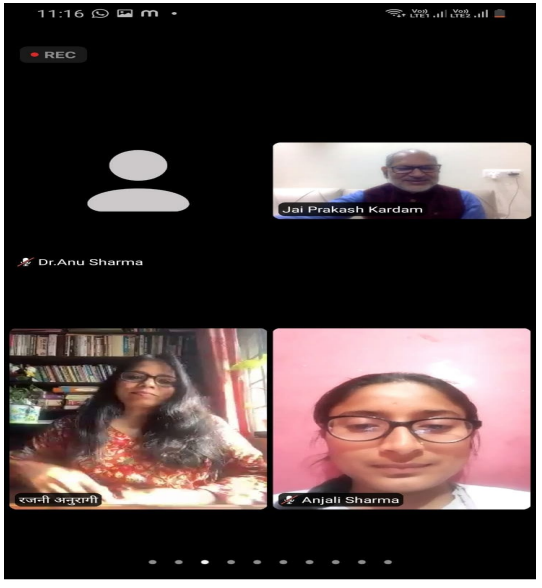
11:16
REC
Jai Prakash Kardam
Dr.Anu Sharma
रजनी अनुरागी
Anjali Sharma

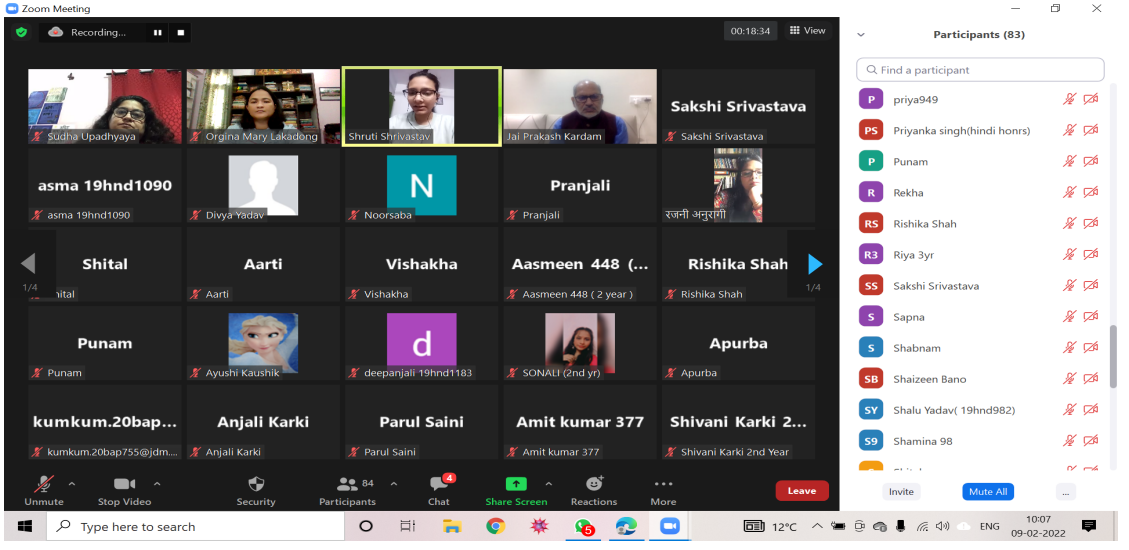
Zoom Meeting
Recording...
00:18:34
View
Participants (83)
Find a participant
Sudha Upadhyaya
Orgina Mary Lakadong
Shruti Shrivastav
Jai Prakash Kardam
Sakshi Srivastava
asma 19hnd1090
Divya Yadav
Noorsaba
Pranjali
रजनी अनुरागी
Shital
Aarti
Vishakha
Aasmeen 448 (...
Rishika Shah
Punam
Ayushi Kaushik
deepanjali 19hnd1183
SONALI (2nd yr)
Apurba
kumkum.20bap...
Anjali Karki
Parul Saini
Amit kumar 377
Shivani Karki 2...
priya949
Priyanka singh(hindi honrs)
Punam
Rekha
Rishika Shah
Riya 3yr
Sakshi Srivastava
Sapna
Shabnam
Shaizeen Bano
Shalu Yadav(19hnd982)
Shamina 98
Unmute
Stop Video
Security
Participants
Chat
Share Screen
Reactions
More
Leave
Invite
Mute All
Type here to search
12°C
ENG
10:07
09-02-2022

6) दिनांक- 21 फरवरी 2022 को जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज, हिंदी विभाग एवं संस्कृत विभाग के संयुक्त में आयोजित तत्त्वावधान अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार

दिनांक-21 फरवरी 2022
विषय:- अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार
वक्ता:- प्रो. हिदेआकी इशिदा,रजनी मुर्मू, डॉ. बलराम शुक्ल

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर हिंदी विभाग एवं संस्कृत विभाग ने सोमवार, 21 फ़रवरी को व्याख्यान का आयोजन किया। इस व्याख्यान के प्रथम सत्र के अतिथि वक्ता प्रो. हिदेआकी इशिदा और रजनी मुर्मू रहें।
कार्यक्रम के शुरुआत में विभाग प्रभारी औरजीना मैरी लाकाडोंग ने अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के इतिहास एवं उसके महत्व से सदन को परिचित करवाया।प्राचार्या प्रोफेसर स्वाति पाल ने अपने स्वगत कथन में मातृभाषा की उपयोगिता पर अपनी बात रखी।
प्रो. हिदेआकी इशिदा ने 'भूमंडलीकरण के दौर में मातृभाषाओं का अस्तित्व और चुनौतियां' व्याख्यान में मातृभाषा में लिखने पर बल दिया और कहा कि हमें दूसरी भाषाएं भी अपनानी चाहिए पर अपनी मातृभाषा को बचाए रखना हमारी जिम्मेदारी है। हमें आज की पीढ़ी को मातृभाषा का महत्व बताना चाहिए। वही रजनी मुर्मू ने आदिवासी समुदाय की कुछ बातें साझा की।आदिवासी बच्चों को उन्हीं की भाषा सिखाई जानी चाहिए, उनकी शिक्षा उनकी अपनी भाषा में होनी चाहिए नहीं तो वह अपने समाज से दूर हो जाएंगे। समाज से जुड़े रहने के लिए उन्हें सामाजिक भाषाएं भी सिखाई जाए परंतु उन्हें प्राथमिकता अपनी मातृभाषा को ही देना चाहिए।
इस कार्यक्रम के दूसरे सत्र के अतिथि वक्ता डॉ. बलराम शुक्ल रहें। उन्होंने 'भारतीय मातृभाषाओं की सुरक्षा तथा पोषण में संस्कृत की भूमिका' व्याख्यान के संदर्भ में बताया कि भाषा का नष्ट होना अनुभव भाव विचार, कविता आदि का नाश है। संसार का अनुभव भाषा के माध्यम से होता है। मातृभाषा से अलग होकर हम भावना विलीन हो जाते हैं। संवेदनशील हिंदी का प्रचार हो, हिंदी किसी के ऊपर थोपी न जाए। साम्राज्यवाद हिंदी में भी आ रहे हैं। हिंदी ने भी भोजपुरी एवं अवधि बोलियो में हीनता का भाव ला दिया है। डॉ. बलराम ने आगे बताया कि भारत की अधिकतर भाषाएं संस्कृत से प्रभावित हैं। 98% भाषाओं शब्दावली का संस्कृति से संबंध है भारत में। उर्दू की क्रियाएं संस्कृति से संबंधित हैं। क्रियाओं का तत्समीकरण नहीं हो सकता। क्रिया को बदलने से भाषा नष्ट हो जाती हैं। हिंदी और उर्दू संस्कृत की क्रियाएं मात्र हैं। तत्सम और तत्भव शब्दावली 'एसेंशियल्स' हैं भाषा के इनका बचे रहना ही भाषा का बचे रहना है। और इन्हीं के कारण संस्कृत आज भी हमारे बीच जिंदा है। संस्कृत भाषिक साम्राज्यवाद का विरोध करती है। एकभाषीकरण का विरोध करना चाहिए।

कार्यक्रम के अंत में डॉ.तनुजा रावल ने प्राचार्या प्रोफेसर स्वाति पाल, अतिथि वक्तागण प्रो.हिदेआकी इशिदा, रजनी मुर्मू एवं डॉ.बलराम शुक्ल के प्रति आभार व्यक्त किया।साथ ही कार्यक्रम से जुड़ने वाले सभी अध्यापक-अध्यापिकाओं एवं छात्र प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापन किया ।

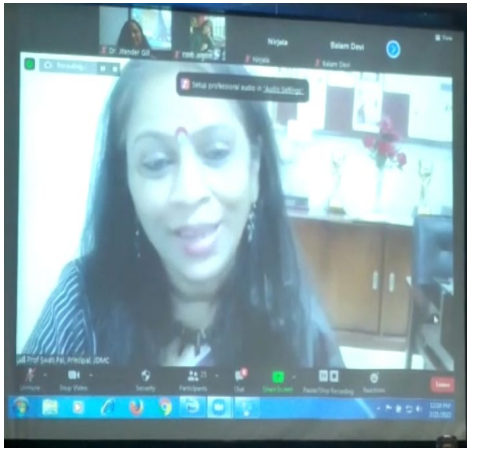

GPS Map Camera
New Delhi, Delhi, India
MAIN CAMPUS, JANKI DEVI MEMORIAL COLLEGE, J.D.M.C Rd, Old Rajinder Nagar, Rajinder Nagar, New Delhi, Delhi 110001, India
Lat 28.64215°
Long 77.191785°
21/02/22 01:17 PM
Google

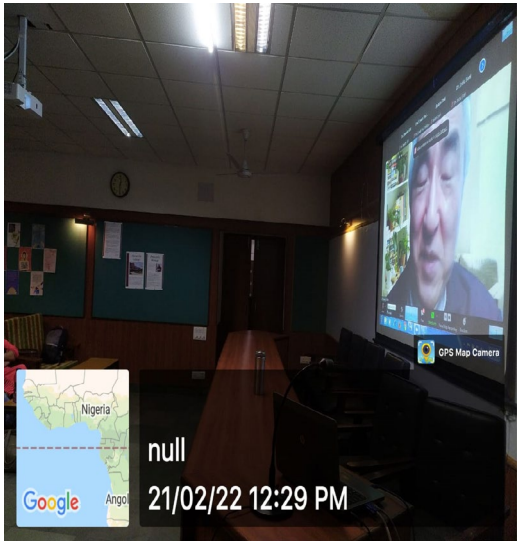
GPS Map Camera
Nigeria
null
21/02/22 12:29 PM
Google

GPS Map Camera
New Delhi, Delhi, India
MAIN CAMPUS, JANKI DEVI MEMORIAL COLLEGE, J.D.M.C Rd, Old Rajinder Nagar, Rajinder Nagar, New Delhi, Delhi 110001, India
Lat 28.642222°
Long 77.191843°
21/02/22 02:58 PM
Google

GPS Map Camera
New Delhi, Delhi, India
MAIN CAMPUS, JANKI DEVI MEMORIAL COLLEGE, J.D.M.C Rd, Old Rajinder Nagar, Rajinder Nagar, New Delhi, Delhi 110001, India
Lat 28.642154°
Long 77.191778°
21/02/22 12:46 PM
Google

GPS Map Camera
Nigeria
null
21/02/22 12:29 PM
Google

GPS Map Camera
New Delhi, Delhi, India
MAIN CAMPUS, JANKI DEVI MEMORIAL COLLEGE, J.D.M.C Rd, Old Rajinder Nagar, Rajinder Nagar, New Delhi, Delhi 110001, India
Lat 28.642167°
Long 77.191781°
21/02/22 03:09 PM
Google

7) दिनांक-25 फरवरी से 3 मार्च 2022

कार्यक्रम- संकाय संवर्धन कार्यक्रम (FDP)

विषय - 'हिंदी साहित्य शोध प्रविधियां एवं चुनौतियां'

25 फरवरी से 3 मार्च 2022 को जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज आंतरिक गुणवत्ता प्रमाणन प्रकोष्ठ (IQAC) और हिंदी विभाग एवं महात्मा हंसराज संकाय संवर्धन केन्द्र PMMMNMTT के अंतर्गत शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार की पहल पर, हंसराज महाविद्यालय के संयुक्त तत्त्वावधान में सात दिवसीय ऑनलाइन संकाय संवर्धन कार्यक्रम (FDP) का आयोजन किया।

इस संकाय संवर्धन कार्यक्रम का विषय 'हिंदी साहित्य शोध प्रविधियां एवं चुनौतियां' रहा। अनुसंधान पद्धति के महत्व को ध्यान में रखते हुए इस संकाय संवर्धन कार्यक्रम में अनुसंधान के बुनियादी आयामों की खोज, साहित्य के क्षेत्र में अनुसंधान के ऐतिहासिक प्रतिमानों को रेखांकित करने वाली धारणाओं के उद्देश्य से विचार किया गया। अनुसंधान प्रविधियों में हालिया विकास, शोध प्रकाशन में पद्धति संबंधी मुद्दे, प्रकाशन नैतिकता, अनुसंधान में आंकड़ों का उपयोग और दुरुपयोग और पठन सामग्री के लिए संसाधनों की उपलब्धता पर चर्चा हुई। इस संकाय संवर्धन कार्यक्रम का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शोध एवं अध्यापन की क्षमता का विकास, हिंदी भाषा- साहित्य में शोध के विविध आयामों से अध्यापकों और शोधार्थियों को सम्यक रूप से परिचित कराना साथ ही शोध एवं अध्यापन की विभिन्न पद्धतियों की जानकारी प्रदान कराना मुख्य उद्देश्य रहा है।

उक्त कार्यक्रम के पूरा होने के पश्चात प्रतिभागियों ने साहित्य की समीक्षा करने, परिकल्पना विकसित करने, शोध हेतु डेटा संग्रह और विश्लेषण के उपकरणों की भूमिका और विषय की प्रासंगिकता को समझने के लिए कौशल विकसित किया।

इस कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज की प्राचार्या प्रो. स्वाति पाल ने संकाय संवर्द्धन कार्यक्रम के विषय 'शोध प्रविधियां एवं चुनौतियां' की प्रासंगिकता एवं महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए।

सात दिवसीय संकाय संवर्द्धन कार्यक्रम के विषय विशेषज्ञ प्रो. श्यौराज सिंह बेचैन,प्रो.वीर भारत तलवार, डॉ.इंद्रनाथ चौधुरी,प्रो. गोपेश्वर सिंह,प्रो. जगदीश्वर चतुर्वेदी,प्रो. अनिल राय,प्रो. सुधा सिंह,प्रो. आशुतोष कुमार,प्रो. बजरंग बिहारी तिवारी एवं डॉ. गंगा सहाय मीणा रहें।

इस संकाय संवर्द्धन कार्यक्रम की संयोजक हिंदी विभाग की औरजीना मैरी लाकाडोंग और डॉ.रजनी अनुरागी रही। साथ ही डॉ. सुधा उपाध्याय, डॉ. विनीता रानी एवं मीनाक्षी ने इस कार्यक्रम में विभागीय सदस्य सहयोग की भूमिका निभाई।

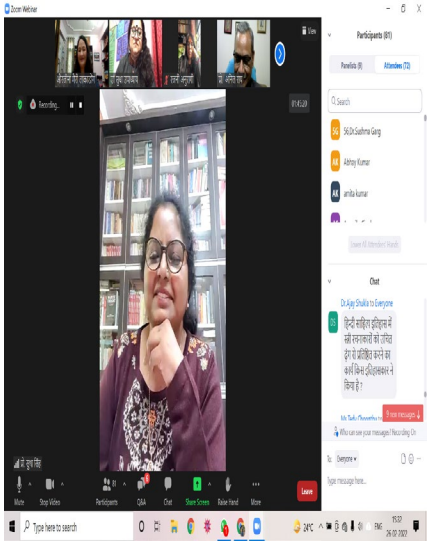
Zoom Webinar
Participants (81)
Panelists (9)
Attendees (72)
56,Dr.Sushma Garg
Abhay Kumar
amita kumar
Chat
Dr.Ajay Shukla to Everyone
हिन्दी साहित्य इतिहास में स्त्री रचनाकारों को उचित ढंग से प्रतिष्ठित करने का कार्य किस इतिहासकार ने किया है ?
Type here to search

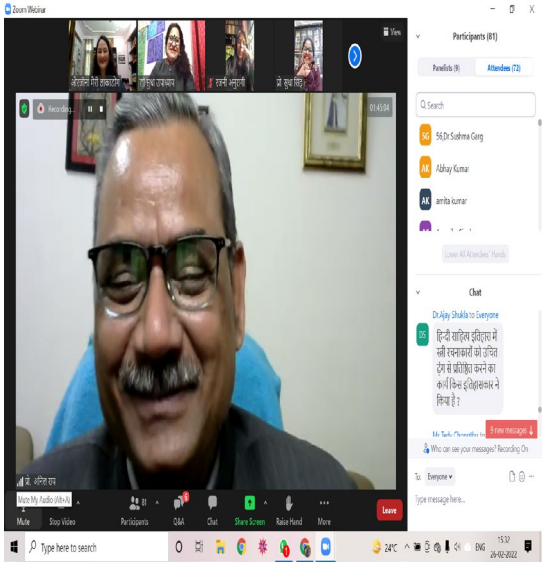
Zoom Webinar
Participants (81)
Panelists (9)
Attendees (72)
56,Dr.Sushma Garg
Abhay Kumar
amita kumar
Chat
Dr.Ajay Shukla to Everyone
हिन्दी साहित्य इतिहास में स्त्री रचनाकारों को उचित ढंग से प्रतिष्ठित करने का कार्य किस इतिहासकार ने किया है ?
Type here to search

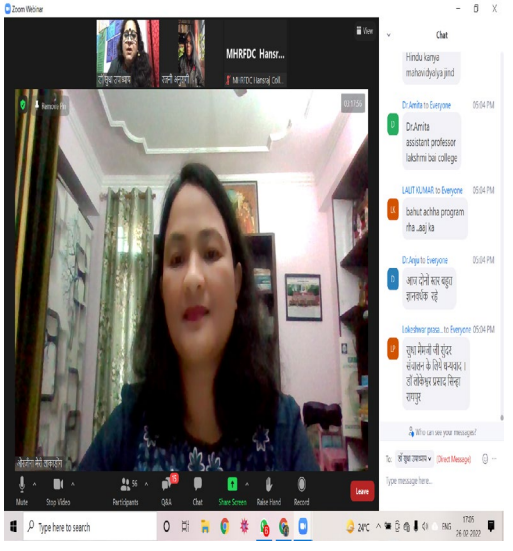
Zoom Webinar
MHRFDC Hansr...
Chat
Hindu kanya mahavidyalya jind
Dr.Amita to Everyone
Dr.Amita assistant professor lakshmi bai college
LALIT KUMAR to Everyone
bahut achha program rha ..aaj ka
Dr.Anju to Everyone
आप दोनों बहन बहुत ज्ञानवर्धक रहे
Type here to search

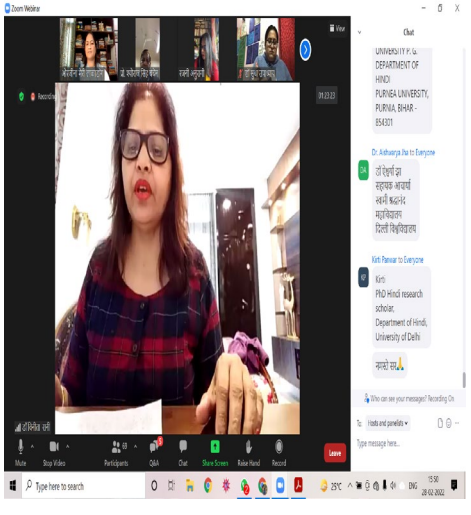
Zoom Webinar
Chat
UNIVERSITY P. G.
DEPARTMENT OF HINDI
PURNIA UNIVERSITY,
PURNIA, BIHAR - 854301
Dr. Aishwarya Jha to Everyone
डॉ ऐश्वर्या झा सहायक आचार्य स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग पूर्णिया विश्वविद्यालय
Kirti Panwar to Everyone
Kirti
PhD Hindi research scholar, Department of Hindi, University of Delhi
नमस्ते सर
Type here to search

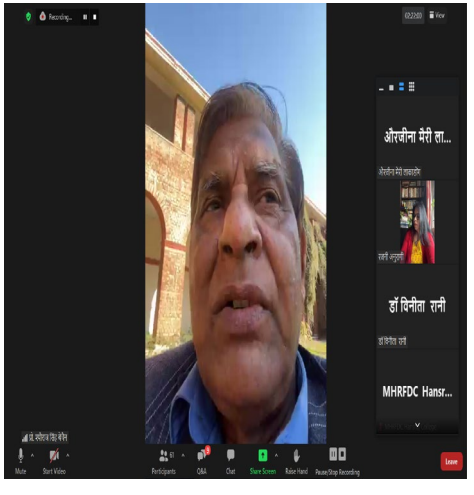
Recording...
ऑरजीना मेरी ता...
डॉ विनीता रानी
MHRFDC Hansr...

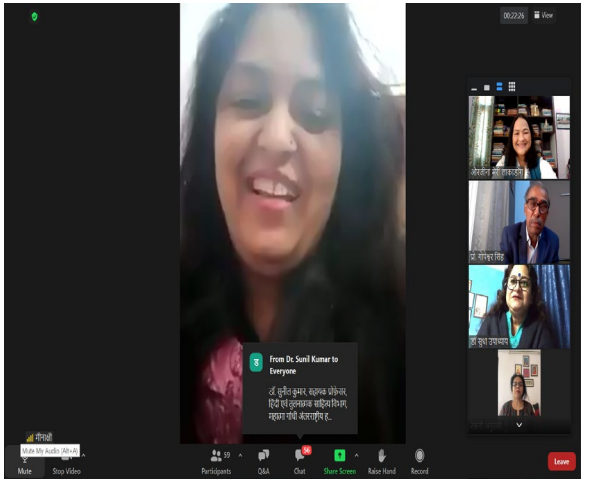
From Dr. Sunil Kumar to Everyone
डॉ. सुनील कुमार, सहायक प्रोफेसर, हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय ह...

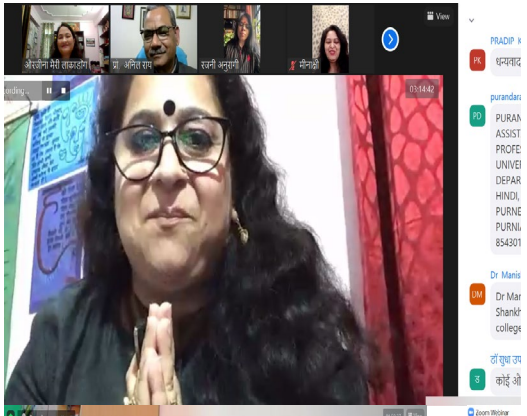

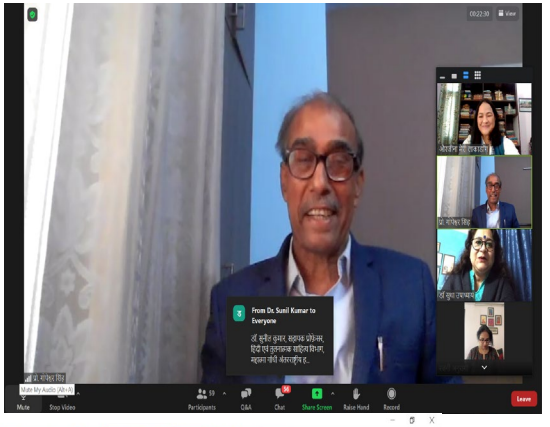
From Dr. Sunil Kumar to Everyone

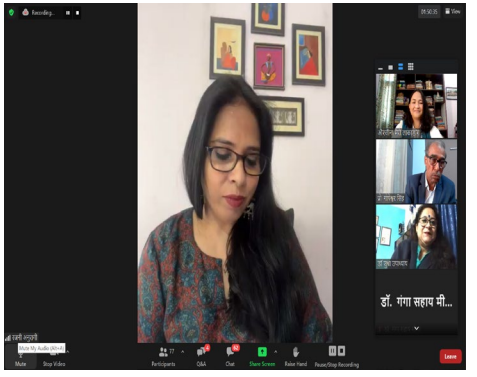
डॉ. गंगा सहाय मी...

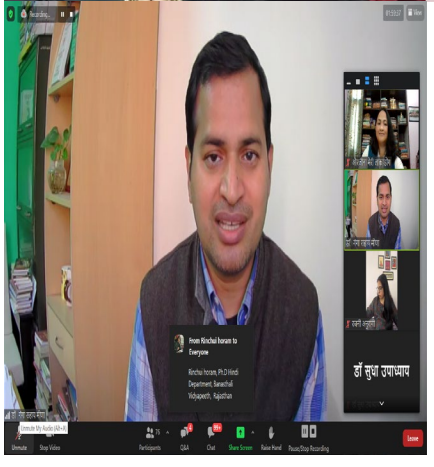
From Nirchal Joram to Everyone
डॉ सुधा उपाध्याय

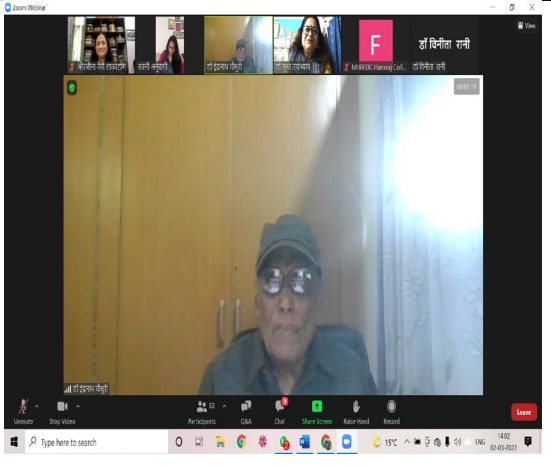
डॉ विनीता रानी

डॉ विनीता रानी
Dr. Poonam Rani to Everyone
Dr. Poonam Rani, dept. of Hindi, assistant professor, Lakshmibai college.

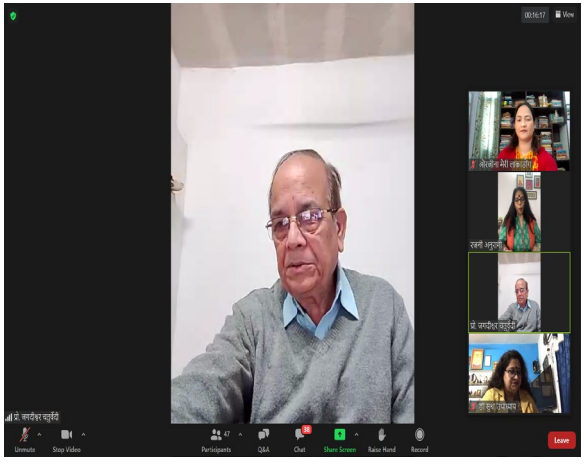

8) जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज, IQAC एवं हिंदी विभाग द्वारा विश्व महिला दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित सेमिनार

विषय- श्रम और जेंडर के समीकरण: संदर्भ भारतीय स्त्री

दिनांक- 14 मार्च 2022

दिनांक 14 मार्च 2022, समय- दोपहर 12:00 बजे सोमवार को जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज के आईक्यूएसी एवं हिंदी विभाग ने विश्व महिला दिवस के उपलक्ष्य में विषय 'श्रम और जेंडर के समीकरण: संदर्भ भारतीय स्त्री' पर सेमिनार आयोजित किया। कार्यक्रम की शुरुआत में हिन्दी विशेष तृतीय वर्ष की छात्रा श्रुति ने सबका अभिनंदन किया उसके पश्चात मुख्य अतिथि प्रो. गरिमा श्रीवास्तव से सदन को परिचित करवाया।

वक्ता प्रो. गरिमा श्रीवास्तव ने सेमिनार के विषय श्रम और जेंडर के नाम पर हो रहें भेदभाव पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि किस प्रकार महिलाओं द्वारा किए जाने वाले गृह कार्य को उनकी जिम्मेदारी और कर्तव्य कहां जाता है और गृह कार्य के बदले ना तो उन्हें उचित सम्मान व ना तो वेतन प्राप्त होता है। वक्ता ने देवदासियों और यौन श्रमिकों से संबंधित छात्राओं को अनसुने विषयों की जानकारी दी। उन्होंने प्राचीन काल से ही धर्म के नाम पर स्त्रियों के साथ हो रहें दुर्व्यवहार पर भी प्रकाश डाला। व्याख्यान के पश्चात प्रश्नोत्तर सत्र में छात्राओं ने वक्ता से कुछ प्रश्न किए और वक्ता ने उन सभी प्रश्नों का बहुत ही विनम्रता पूर्वक उत्तर दिया। अतः अंत में हमारी आदरणीय वक्ता ने हमारी छात्राओं को भविष्य में सदैव आगे बढ़ते रहने की शुभकामनाएं दी व सदैव अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाने व कभी ना हार मानने की सलाह दी।

इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. रजनी अनुरागी और औरजीना मैरी रहें और शिल्पा चौधरी IQAC समन्वयक के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। अंत में हिंदी विभाग तृतीय वर्ष की छात्रा दिव्या ने सबका धन्यवाद ज्ञापन किया।

जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज
दिल्ली विश्वविद्यालय
आईक्यूएसी एवं हिंदी विभाग के
संयुक्त तत्त्वावधान में
8 मार्च -विश्व महिला दिवस के
उपलक्ष्य में सेमिनार का आयोजन
विषय- 'श्रम और जेंडर के
समीकरण: संदर्भ भारतीय स्त्री'
दिनांक-14 मार्च 2022
समय-12 बजे
स्थान-सेमिनार रूम
वक्ता
गरिमा श्रीवास्तव
औरजीना मैरी (विभाग प्रभारी)
डॉ.रजनी अनुरागी
संयोजक
डॉ. शिल्पा चौधरी
प्रो.स्वाति पाल
प्राचार्या

GPS Map Camera
New Delhi, DL, India
Central Ridge Forest Area, New
Lat 28.642318, Long 77.191772
03/14/2022 12:48 PM

GPS Map Camera
Pusa Rd
Google
New Delhi, Delhi, India
MAIN CAMPUS, JANKI DEVI MEMORIAL COLLEGE, J.D.M.C Rd, Old
Rajinder Nagar, Rajinder Nagar, New Delhi, Delhi 110001, India
Lat 28.642416°
Long 77.191888°
14/03/22 12:43 PM

GPS Map Camera
Google
New Delhi, Delhi, India
MAIN CAMPUS, JANKI DEVI MEMORIAL COLLEGE, J.D.M.C Rd, Old
Rajinder Nagar, Rajinder Nagar, New Delhi, Delhi 110001, India
Lat 28.642179°
Long 77.191741°
14/03/22 02:00 PM